पाठ 8. जगमग-जगमग

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में प्रभावी संप्रेषण संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे शाब्दिक और गैर-शाब्दिक रूप से अपने विचार व्यक्त करने में समर्थ हो सकें। इस जग के हर पग अर्थात् हर रास्ते को रोशन करना है तो आवश्यक है जीवन के हर कोने में प्रेम, भाईचारे और परिश्रम के दीप जलें। हम सब इस विस्तृत दीपावली के दीपक बन अपना भरपूर प्रकाश दें। दीपावली के जलते दीप भी तो इसी तरह जीवन के हर कोने में इसी तरह प्रकाश का उल्लास भरते हैं।

पाठ का सार

दीपावली के दिन अमावस की काली रात में झिलमिलाते दीपों की पंक्तियाँ वातावरण को आलोकित कर, उसे सुंदरतम बनाती हैं। उनका यह विनम्र प्रयास सबके हित में समान रूप से रोशन होता है। छत, छज्जे, आले और तुलसी के बिरवे तक में प्रकाश बिखेरते ये दीपक स्नेह और खुशी का प्रतीक बन जाते हैं। दीपावली पर्वतों, नदियों और नहरों को भी प्रकाश बाँटती है। जल में दीपकों की परछाईं अत्यंत सुंदर दृश्य प्रस्तुत करती है। दीपमालाएँ बेशक राजा और रंक के घर समान रूप से नहीं जगमगाती लेकिन कवि की दृष्टि में बाकी दिनों की तुलना में आज जहाँ-जहाँ दीपावली है, वहाँ-वहाँ जीवन का प्रकाश लगभग समान रूप से फैल गया है। अपनी-अपनी सीमाओं में खुशी के इस उत्सव में सब डूब गए हैं।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  दिखने में छोटी, किंतु इस बड़ी कविता के बड़प्पन तक पहुँचने के लिए इसे बहुत मिठास व शांत मन से पढ़ा जाना व महसूस करना ज़रूरी है।

  वाचन के विभिन्न रूपों, शब्दार्थ प्रक्रिया व अर्थग्रहण के साथ-साथ इस कविता के लिए ज़रूरी है कि इसे कक्षा में चित्रों के साथ सजीव रखा जाए। वाचन में स्पष्टता, लय, अर्थ-संवेदन पर विशेष ध्यान रहे।

  प्रश्नोत्तर निर्माण में बच्चों की कल्पनाशीलता और द्वंद्वात्मक अनुभवों के लिए भरपूर जगह रहनी चाहिए।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 3** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - पर्यायवाची शब्दों के उदाहरण दें। संज्ञा पद व पदबंध और वाक्य निर्माण के विषय में विशेष चर्चा की यहाँ आवश्यकता जान पड़ती है। संज्ञा पद और पदबंध की परिभाषा से बच्चों को अवगत कराएँ।
- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - दीपावली पर्व के हर्षोल्लास तथा इस पर्व में प्रयुक्त किए गये पटाखों के दुष्प्रभाव पर परिचर्चा करें और साथ ही साथ, दीपावली पर आयोजित कार्यक्रम से संबंधित बातों पर आपसी वार्तालाप को बढ़ावा दें।